सीआरपीएफ- शौर्य व वीरता के 82 वर्ष

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अपनी 82 वीं वर्षगांठ को उत्साह व उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर CRPF अकादमी गुरुग्राम में एक शानदार परेड का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने परेड की सलामी ली। 1950 में आज ही के दिन, तत्कालीन गृह मंत्री, सरदार वल्लभ भाई पटेल ने CRPF अधिनियम लागू होने के बाद CRPF को 'प्रेजिडेंटस कलर' प्रस्तुत किया और बल को नया नाम दिया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 1939 में 'क्राउन रेप्रेसेंटेटिवेस पुलिस' के रूप में स्थापित किया गया था।

मंत्री महोदय ने अपने संबोधन में बल कर्मियों और उनके परिवारों को बधाई दी। उन्होंने सभी शहीदों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र की एकता, अखंडता, और संप्रभुता को बनाए रखने में उनके अपार और अपूर्व योगदान को नमन किया।

उन्होंने महिला सशक्तिकरण में असाधारण कार्य, कोरोना वारियर्स के रूप में महामारी के खिलाफ लड़ाई में भूमिका, समाज की निःस्वार्थ सेवा के लिए लगभग 80000 कर्मियों के अंग दान संकल्प, 25 लाख पेड़ लगा प्रकृति योद्धाओं के रूप में योगदान, और दिव्यांग सशक्तिकरण के लिए NCDE की स्थापना के लिए बल की सराहना की। बल की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद, उग्रवाद, माओवादी हिंसा, दंगा नियंत्रण, कानून और व्यवस्था, और प्रभावी आपदा प्रबंधन संबंधित आंतरिक चुनौतियों से निपटने में बल का योगदान सीआरपीएफ की संस्कृति में समाहित 'सेवा और निष्ठा' की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है।

अपने संबोधन में, श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक CRPF ने मंत्री महोदय का उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बल के जवानों और उनके परिवारों के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और भरोसा दिलाया कि बल पूरी दृढ़ता और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करता रहेगा।

वीरता के लिए पदक वितरण के साथ ही, विभिन्न श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों और कार्यों के लिए बल के संस्थानों को ट्रॉफी भी प्रदान की गयीं। इस समारोह में CRPF स्पोर्ट्स टीम, मल्लखंब टीम, और CRPF की महिला डेयरडेविल्स द्वारा मोटर बाइक करतब के आकर्षक प्रदर्शन भी शामिल थे।

सीआरपीएफ के प्रति विश्वास के लिए बल देश और देशवासियों का आभारी है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बल के वीरों ने मातृभूमि की सेवा करने की कसम खाई है, फिर चाहे इसमें प्राण जाने का भी भय क्यों न हो। 'जबतक दम है राष्ट्र प्रथम है, जबतक हम हैं राष्ट्र प्रथम है' का मंत्र बल की परंपरा में सम्मिलित है।

HR 26EF 6718

RESERVE POLICE FORCE

सेवा
निष्ठा